RAJYA SABHA

Thursday, the 8th March, 2007, 17, *Phalguna*, 1928 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

FELICITATIONS BY THE CHAIR

On The Occasion of International Women's Day

श्री सभापति: आप सभी को नमस्कार। मैं माननीय महिला सदस्यों का विशेष अभिवादन करता हूं और आशा करता हूं कि यह वर्ष महिलाओं के लिए बहुत सुखी होगा। मैं यह क्वेश्चन आवर भी महिलाओं को अर्पित करता हूं।

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल): सर, केवल दो मिनट लूंगी। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आपके द्वारा मैं पूरे हाउस और हाउस के द्वारा तमाम देश की महिला नागरिकों को शुभकामनाएं देती हूं। सर, हालांकि किसी ने मुझे कहा कि यह आपका दिन है तो मैंने उन्हें जवाब दिया कि एक दिन महिलाओं का और 364 दिन पुरुषों के, इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए। लेकिन, सर, जहां हम एकजुटता प्रकट कर रहे हैं, इस अवसर पर मैं आदरणीय प्रधान मंत्री जी से यह जरूर रिक्वेस्ट करूंगी कि आज के दिन पूरे देश की महिलाएं उम्मीद करती हैं कि आपने जो बहुत स्पष्ट आश्वासन दिया, जिस पर सबका विश्वास है, महिला आरक्षण बिल इसी सरकार के नेतृत्व में पारित होगा। हम आपसे यह अपील करते हैं कि आज के दिन आप देश की महिलाओं को यही मैसेज दीजिए कि टाइम बाउंड फ्रेमवर्क में इसे लाया जाए। हालांकि इसकी जितनी भी समस्याएं हैं, उनके बारे में हम सब जानते हैं, लेकिन सर, समस्या बहाना नहीं हो सकती है। A problem cannot become an excuse, Sir. Therefore, on this International Women's Day I request you to give a categorical commitment in this House that within a time-bound framework, within this session itself, the measures will be taken to bring this Bill. At least a commitment should come in this session. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Thank you. (*Interruptions*)

सुश्री मैबल रिबैलो (झारखंड): सर, हम सब भी इनको एसोसिएट करते हैं।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय (गुजरात): सर, हम भी इनको एसोसिएट करते हैं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हि[redacted]): सर, हम भी इनको एसोसिएट करते हैं।

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, we are waiting for the past few years to see that the Bill is tabled. Last year also we waited. Hon. Prime Minister is in the House. I hope he will definitely give us the assurance that the Bill will be brought in this session. We know that all our brothers in this House will support this Bill. Thank you, Sir.

डा० (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): सर, सारे देश के लोगों की तरफ से, खास तौर से महिलाओं की तरफ से मैं आपको मुबारकबाद देती हूं कि आज आपने हम लोगों को इस विषय पर बोलने कि इजाज़त दी जनरली आप क्वेश्चन आवर सस्पैंड नहीं करते हैं, उसके लिए काफी शोर मचाना पड़ता है, मगर आज आपकी फ़राक़दिली का मैं तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं। हमारी यह भी खुशकिस्मती है कि हमारे प्रधानमंत्री जी भी यहां पर मौजूद हैं और प्रणव मुखर्जी साहब, जो बहुत सालों तक राज्य सभा में मैम्बर रहे हैं उन्होंने भी देखा है कि 1996 से महिलाओं के बिल का यह मसला उठाया जा रहा है और बार-बार, हर सैशन में, सैशन से पहले, महिलाओं ने इस बात को उठाया है। मैंने चैम्बर के अन्दर इसे उठाया, चेयर से भी उठाया, हमारी महिलाओं ने और बहुत सारे अच्छे पुरूषों ने भी इस बात को उठाया। उन्होंने जो सहयोग दिया उससे मैं इन्कार नहीं करती हूं, मगर सर, सच्ची बात यह है, कि आज अगर आप आईपीयू की रिपोर्ट देखें तो उसके अन्दर हिन्दुस्तान महिलाओं के रिप्रैजेंटेशन में पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी नीचे गिर गया है। जब हम डेमोक्रेसी की, जनतंत्र की इतनी बातें करते हैं तो यह कैसा लॉपसाइडिड जनतंत्र है, जहां इतनी महान महिलाएं पैदा हुई हों, श्रीमती इंदिरा गांधी जैसी महिला, जो इतने साल तक यहां प्रधान मंत्री रहीं, उस मुल्क में महिलाओं को रिप्रैज़ेंटेशन नहीं मिलता। 73वें और 74वें अमैंडमेंट की वजह से 10 मिलियन महिलाएं इम्पावर्ड हो रही थी। मैं प्रधान मंत्री जी से कहती हूं कि आपसे और आपसे पहले बहुत से लीडर हुए, सुषमा जी, जब पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर थीं तो हमें थोड़ी उम्मीद बनी थी कि यह बिल आएगा। सुरेश जी, आप भी जरा सुन लीजिए। मगर आपसे है कि एक पुरूष होकर शायद आप महिलाओं के बारे में ज्यादा ध्यान देगे। बहुत से प्रधान मंत्रियों और सारे ही लीडर्स ने वायदे किए। मैं उम्मीद करती हूं कि पिछली दफे मैंने एक शेर पढ़ा था--

"तेरे वायदे पर जिए हम, तो यह झूठ जाना,
कि खुशी से मर न जाते अगर एतबार होता।"

तो खुदा के लिए एतबार करा दीजिए मुझे मंजूर है मर जाना। मगर आप वायदे कर रहे हैं तो पूरा करने का वायदा करिए। धन्यवाद।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय: धन्यवाद महोदय, सबसे पहले तो मैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए सब बहनों को बधाई देना चाहती हूं। आप सब लोगों को भी मैं इसलिए बधाई देती हूं कि हमें आपने बोलने का मौका दिया और आप हमारी बात शान्ति से सुन रहे हैं। सर, काफी सालों से महिलाओं को रिजर्वेशन देने की बात चल रही है। हमारे स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी का एक सपना था और हमारी सरकार ने पंचायतों के अंदर तो यह रिजर्वेशन दे दिया लेकिन अभी भी पार्लियामेंट और असेम्बली के अंदर देना बाकी है। हर बार हमको यह कहा जाता है बल्कि यह कहूं कि बहलाया जाता है कि अब की बार यह बिल आएगा। इसलिए मैं माननीय प्रधान मंत्री जी यहां बैठे हैं, से कहना चाहूंगी कि इस सैशन में यह महिला बिल लाकर और हम लोगों को सपोर्ट करके आप सब लोग यह बिल पास करें। यही मैं आप सब लोगों से आशा करती हूं। धन्यवाद।

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, कल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए मैंने इस विषय पर काफी विस्तार से अपनी बात कही थी। मैं इस उम्मीद में बैठी हुई हूं कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के समय प्रधान मंत्री जी उस पर जवाब देंगे। इस समय तो मैं केवल एक ही बात कहने के लिए खड़ी हुई हूं कि जब कोई मामला उलझ जाता है तो महापुरुष उसमें रास्ता दिखलाते हैं। चेयर पर बैठ कर आज आपने यह रास्ता दिखाया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है इसलिए महिलाओं की भावनाएं होंगी, यह समझते हुए आपने प्रश्नकाल में बिना किसी जद्दोजहद के हम सबको यह मौका दिया कि हम अपनी बात कह दें। मैं प्रधान मंत्री जी से केवल इतना कहना चाहती हूं कि जिस सहजता से आज चेयरमैन साहब ने हम लोगों को बोलने का अवसर दिया है उसी सहजता से आप बजट के द्वितीय खण्ड में यह बिल लाकर के पारित करा दीजिए ताकि आपके दिखाए गए मार्गदर्शन का लाभ हम सबको मिल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश): सर,

श्री सभापति: आप कहां से खड़े हो गए। .....(व्यवधान) बैठिए-बैठिए।.....(व्यवधान) दुर्गा जी खड़ी हैं, ध्यान रखिए।

श्री उदय प्रताप सिंह: सर, नजमा जी ने जो शेर सुनाया उसमें मैं थोड़ा संशोधन करना चाहता हूं। और वह यह है कि–

"तुम्हारी तरह तुमसे कोई झूठे वायदे करता,

तुम्ही मुंसफी से कह दो कि तुम्हें एतबार होता।"

SHRIMATI N.P. DURGA (Andhra Pradesh): Thank you, Sir. Today is the International Women's Day and this is an occasion to review how far we have come in our struggle for equality, discrimination and development in

this male-dominated world. Sir, the hon. Prime Minister is here in the House. I request him to introduce the Women Reservation Bill during this session itself and also I request him to encourage women as part of the policy making process. I think, so many Bills were discussed in this House and we also discussed the nuclear issue. I would like to ask the hon. Minister as to what is going to happen on this Women Reservation Bill.

सुश्री सुशीला तिरिया (उड़ीसा): सर, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं पूरे हाउस को बधाई देना चाहूंगी और इसके लिए भी कि आपने हम सब महिलाओं को सबसे पहले सुनने का मौका दिया। सर, मैं महिला दिवस पर केवल इतना कहना चाहूंगी कि केवल महिला महिला बोलने से ही महिला बिल नहीं लाया जाएगा या पास होने की उम्मीद नहीं बैठती।..... । सर, इसलिए मैं निवेदन करना चाहूंगी कि हमारे भाई लोगों को भी नीयत से, लगन से इसका समर्थन करना चाहिए। उन्हें भी यह करना चाहिए कि यह महिला बिल हाउस में आए और पास हो। यह पूरे समाज के सम्मान की बात है, यह हमारी बच्चियों के, बीवियों के सम्मान की बात है। सर, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं यह कहना चाहूंगी कि भारतीय महिलाएं विश्व में नाम करती हैं। भारतीय महिला किसी स्पोर्ट्स में सानिया मिर्ज़ा से लेकर या स्पेस में कल्पना चावला से लेकर, उन्होंने किसी रिजर्वेशन की बात नहीं की वे कम्पिटिशन में आगे आई सर, इसीलिए मैं कहना चाहूंगी कि यह देश के सम्मान के लिए, पुरुष समाज की नीयत को बाहर में दिखाने के लिए, सब भाइयों को इसमें समर्थन देना चाहिए कि महिला बिल इस सत्र में आए। मैं प्रधान मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगी कि यह सोनिया गांधी जी की इच्छा है, यह राजीव जी की इच्छा और सपने की बात है। उन्होंने पंचायती राज में महिलाओं को रिजर्वेशन दिया है। इसी सत्र में महिला रिजर्वेशन बिल को लाया जाए और पास किया जाए। धन्यवाद।

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको बधाई देती हूं और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपनी सभी महिलाओं को, पुरुषों को बधाई देती हूं। मैं खासकर के आपको बधाई देती हूं कि आज आपने एक ऐसी प्रथा चलाई कि पहले शोर मचाकर क्वेश्चन ऑवर बंद किया जाता था और आज आपने खुद इसकी गंभीरता को लेते हुए, आपने महिलाओं को इस पर बोलने के लिए समय दिया है। आदरणीय प्रधान मंत्री जी यहां उपस्थित हैं, मैं इनसे यही निवेदन करूंगी कि महिलाओं के रिजर्वेशन की मांग बहुत समय से चली आ रही है, इसके बिल को इसी सत्र में लाया जाए और पास करवाया जाए जिससे कि हम भी कह सकें कि जो कहते हैं, वह करते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

सुश्री मैबल रिबैलो: सर, हाउस में जो सभी महिला सदस्यों ने महिला रिजर्वेशन बिल के बारे में बोला है, मैं उनके Views को endorse करती हूं। यहां पर सब लोगों ने पॉलिटिकल इम्पावरमेंट

की बात की है, मैं आपसे निवेदन करुंगी कि महिलाओं का काम केवल पॉलिटिकल इम्पावरमेंट से नहीं होगा, हमको सोशली और इकॉनोमिकली इम्पावरमेंट चाहिए। जो इंस्टीट्यूशनल फाइनेंस है, जो महिलाओं को hardly तीन परसेंट भी नहीं मिलता है, इसके बारे में हमको कई सालों से कहा जा रहा है। हमको वर्ष 2004 में कहा गया था कि पांच परसेंट इंस्टीट्यूशनल फाइनेंस महिलाओं को दिया जायेगा। सर, मेरी रिक्वेस्ट है कि 30 परसेंट इंस्टीट्यूशनल फाइनेंस भी महिलाओं को जाना चाहिए। धन्यवाद।

SHRIMATI S.G. INDIRA (Tamil Nadu): Thank you, Mr. Chairman, Sir. On this occasion, I must thank the hon. Chairman because he has always been very considerate towards the women members and has always been giving due consideration to the women Members in the Question Hour and in all the debates. On this occasion, I would also like to thank my leader, Dr. J. Jayalalitha, because she has already given 33 per cent reservation to women in the party, and she has also given full support to the women reservation. I expect all your blessings for the women reservation. Thank you very much for this opportunity.

कुमारी निर्मला देशपांडे (नाम-निर्देशित): सभापति महोदय, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं एक ही निवेदन सबसे करना चाहती हूं कि यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है, इसलिए इस दिन महिला और पुरुषों के बीच समानता की स्थापना हो और समाज के सभी वर्गों में, सब वर्णों में, सब प्रकार की जितनी विषमताएं और असमानताएं हैं, वे सारी नष्ट हों देशों के बीच की भी असमानताएं नष्ट हों और यह दिन अंतर्राष्ट्रीय समता दिवस के रूप में मानया जाए धन्यवाद।

डा॰ प्रभा ठाकुर (राजस्थान): सर, भारत के संविधान में कमजोर वर्गों के विकास के लिए, उनको मूल धारा से जोड़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। इसी व्यवस्था को देखते हुए, क्योंकि महिलाओं को महसूस किया गया कि यह समाज का कमजोर और पिछड़ा हुआ तबका है। राजीव गांधी जी ने सोचा था कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए इन्हें राजनैतिक आरक्षण देने की जरूरत है। आज माननीय प्रधान मंत्री जी भी सदन में उपस्थित हैं, सदन में उपस्थित भाई भी इसको मौन समर्थन दे ही रहे हैं, इस सरकार की इच्छा-शक्ति पर, प्रधान मंत्री जी की इच्छा-शक्ति पर पूरे देश की महिलाओं को विश्वास है।

मैं अपील करूंगी कि एक कहावत है कि 'हर सफल पुरुष के पीछे किसी स्त्री का योगदान होता है'। इसी तरह आज महिलाएं पूरे देश मे पुरुषों से यह अपील करती हैं कि उनकी सफलता में भी वे उसी तरह भागीदार बनें। एक बात और कहना चाहूंगी कि विभिन्न नौकरियों में भी महिलाओं के

आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित हो, वह केवलमात्र एक खानापूर्ति न हो। दूसरी बात पदोन्नति में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जाए, यह मैं आपसे मांग करती हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं इस सदन को बताना चाहती हूं कि हमारी पार्टी महिला बिल के खिलाफ नहीं है। यह propaganda बंद करना चाहिए। महिला बिल लाया जाए, लेकिन सब वर्गों की महिलाओं को लाभ देने जैसा लाया जाए। मैं एक बात कहना चाहती हूं। कि:

नारी की महिमा यदि नर से बड़ी न होती,

दस रुपए का घड़ा न होता, दस हज़ार की घड़ी न होती।

SHRIMATI SUPRIYA SULE (Maharashtra): Thank you, Sir, for giving me this opportunity.

Hon. Chairman, Sir, my only objection to this is that I am very happy that we are celebrating the Women's Day, but, I think time has come where we all need to rise over the gender differences and celebrate humanity and life instead of celebrating Women's Day once a year. Thank you, Sir.

श्री सभापति: महिला सदस्यों से मैं एक अनुमति चाहता हूं कि गिल साहब भी आपके पक्ष में बोलना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री शान्ताराम लक्ष्मण नायक (गोवा): सर, मैंने नोटिस दिया है।

श्री सभापति: आपको बुलाऊंगा, आप चिंता न करें। ये बुजुर्ग हैं।

डा॰ एम॰एस॰ गिल (पंजाब): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने आज हमें अपनी माएं, अपनी बहनें, अपनी बीवियों का दिन मनाने का, उसके प्रति खुशी मनाने का मौका दिया है ...(**व्यवधान**)... उसके लिए आज हम खड़े हुए हैं। ...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: Stop being patronising. ...(*Interruptions*)...

डा॰ एम॰एस॰ गिल: एक मिनट, बेटियां भी गर्ल फ्रेंड भी ...(**व्यवधान**)... महोदय, मैं इसमें एक ही बात कहना चाहता हूं। मुझे यह अच्छा नहीं लगा कि सारी महिलाएं खड़ी होकर मेजॉरिटी जो बैठी है, इनके सामने हाथ जोड़ें कि हमारे लिए यह कर दो, हमारा इंसाफ कर दो। यह बात ठीक नहीं है। इनका हक है, इस मामले का अंत होना चाहिए। 95-96 से बल्कि साठ साल से हम देख रहे हैं। मेरी समझ में यह सिर्फ प्रधानमंत्री जी के करने की बात नहीं है। सारी पार्टियां इकट्ठी बैठी हैं, आज

प्रेम से यहां बैठी हैं, ठंडक में बैठी हैं। मैं तो यह कहूंगा कि इकट्ठे बैठो, लोकतंत्र है, आपस में विचार करके जो इनका हक है, उसके ऊपर वाजिब फैसला कर दो।

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Sir, I am the only *marad* जिसने आज के दिन नोटिस दिया है। Sir, I have officially given notice. I am the only person, बाकी सबने नहीं दिया है। सर, आपने मुझे सुबह सलाह दी थी कि आप नोटिस क्यों दे रहे हैं? सुबह-शाम अपनी बीवी को नमस्कार करो, वही काफी है। फिर भी, I am making three suggestions, short suggestions, Sir.

Firstly, the Domestic Violence Act, 2005 has been proved to be very effective. All the Protection Officers to be appointed should be women because the law says that as far as possible, they should be women. Many State Governments have not appointed women as Protecting Officers. So, all officers appointed in the police stations should be women.

Secondly, Women Police Stations have not been constituted in several States as a result of which women do not come forward to file complaints. Therefore, the State Governments should be given directions to constitute Women Police Stations at all places.

Thirdly, and finally, if a police officer refuses to accept an FIR filed by a woman Member, then it should be considered as a conduct unbecoming of a police personnel and the person should be suspended immediately.

श्री सभापति: प्रो॰ राम देव भंडारी। भंडारी जी, आप पहले कारण बता दीजिए कि आप क्यों बोल रहे हैं?

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): माननीय सभापति जी, महिला और पुरुष दोनों मिलकर संपूर्ण होते हैं। सिर्फ महिलाएं बोलती रह जाएंगी तो अधूरा रह जाएगा, आधा रह जाएगा। महोदय, उन्होंने शुभकामनाएं दी हैं, मैं भी अपनी ओर से इस अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। महोदय, यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि आज आप चार डाक टिकटों का इस अवसर पर लोकार्पण करने जा रहे हैं। महोदय, मैं और मेरी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और मेरे नेता लालू प्रसाद जी महिलाओं के हक और अधिकार उन्हें दे रहे हैं, पहले भी दे चुके हैं।

अभी तो बिल पास होने की बात हो रही है। श्रीमती राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री बनी थीं। अभी श्रीमती राबड़ी देवी जी बिहार विधान सभा में, विरोधी दल की नेता हैं। महोदय, मेरी पार्टी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में है, मगर जो करोड़ों पिछड़े वर्ग की महिलाएं हैं, दलित महिलाएं हैं, माइनोरिटीज महिलाएं हैं, उनका क्या होगा? ...(व्यवधान)... यह आरक्षण सिर्फ कुछ ही

महिलाओं के लिए नहीं होना चाहिए। महोदय, मेरा यह कहना है कि आप उनका भी ध्यान रखिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: चलिए छोड़िए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, आज जो करोड़ों महिलाएं गांवों में हैं, ...(व्यवधान)... पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए ...(व्यवधान)... माइनोरिटीज महिलाओं के लिए विशेष रूप से आरक्षण देने की व्यवस्था होनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बस ठीक है।

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, आप महिला बिल पास करें। आप चाहें तो उसका परसेंटेज भी बढ़ाएं, ..(व्यवधान)... मगर पिछड़े वर्ग की महिलाओं, दलित महिलाओं को, और माइनोरिटीज की महिलाओं को विशेष आरक्षण दिया जाए, यही मेरा कहना है। ...(व्यवधान)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): सर, आज का दिन बड़ा महत्वपूर्ण दिन है। ...(व्यवधान)...

†[شری شاہد صدیقی "اترپردیش" : سر، آج کا دن بڑا مہتوپورن دن ہے ۔۔۔مداخلت۔۔۔]

श्री सभापति: इनको बोलने दीजिए।

श्री शाहिद सिद्दिकी: इस दिन को छोटा मत कीजिए, इसके महत्व को कम मत कीजिए। महिलाओं पर पूरे देश में जो अत्याचार हो रहे हैं, हमें उस विषय पर बात करनी चाहिए। जिस तरह से लड़कियां पैदा होते ही मारी जा रही हैं, इस पर मेरा एक सुझाव है कि पहले पुलिस फोर्स में बड़े पैमाने पर आरक्षण किया जाए। अगर पुलिस फोर्स में ज्यादा महिलाएं होंगी तो देश में बेहतरी होगी, अच्छा होगा। ...(व्यवधान)...

†[شری شاہد صدیقی : اس دن کو چھوٹا مت کیجئے، اس کے مہتو کو کم مت کیجئے۔ مہیلاؤں پر پورے دیش میں جو اتیاچار ہورہے ہیں، ہمیں اس وشے پر بات کرنی چاہئے۔ جس طرح سے لڑکیاں پیدا ہوتے ہی ماری جارہی ہیں، اس پر میرا ایک سجھاؤ ہے کہ پہلے پولیس فورس میں بڑے پیمانے پر آرکشن کیا جائے۔ اگر پولیس فورس میں زیادہ مہیلائیں ہونگی تو دیش میں بہتری ہوگی، اچھا ہوگا ۔۔۔مداخلت۔۔۔]

†Transliteration in Urdu Script.

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है, हो गया। आपका सुझाव आ गया है।

श्री शाहिद सिद्दिकी: आप क्यों नाराज हो रही हैं, मैं तो समर्थन में बोल रहा हूं। ...(व्यवधान)...

† **شری شاہد صدیقی:** آپ کیوں ناراض ہورہی ہیں، میں تو سمرتھن میں بول رہا ہوں۔۔مداخلت۔۔

श्री सभापति: वे नाराज हैं, तो आप उनको छोड़िए और मुझे देखते रहो।

श्री शाहिद सिद्दिकी: नौकरियों में और एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स में महिलाओं के लिए रिजर्वेशन होना चाहिए। इस दिन की बहस को लोग नॉन सीरियस बना देते हैं जबकि यह बहुत सीरियस मामला है। इसको केवल आरक्षण तक ही सीमित न रखा जाए। महिलाओं के ऊपर एक पूरी बहस होनी चाहिए। जब से मैं इस सदन में आया हूं, तब से महिलाओं पर बहस नहीं हुई है। ...(व्यवधान)... सिर्फ आरक्षण बिल पर बहस होती है और आरक्षण बिल राजनैतिक बन जाता है, इसलिए इस पर बहस होनी चाहिए कि कैसे महिलाओं को उनका अधिकार मिले।

† **شری شاہد صدیقی :** نوکریوں میں اور ایجوکیشنل انسٹیوشنس میں مہیلاؤں کے لئے ریزرویشن ہونا چاہئے۔ اس دن کی بحث کو لوگ نان سیریس بنادیتے ہیں جب کہ یہ بہت سیریس معاملہ ہے۔ اس کو صرف آرکشن تک ہی محدود نہ رکھا جائے۔ مہیلاؤں کے اوپر ایک پوری بحث ہونی چاہئے۔ جب سے میں اس سدن میں آیا ہوں، تب سے مہیلاؤں پر بحث نہیں ہوئی ۔۔مداخلت۔۔ صرف آرکشن بل پر بحث ہونی چاہئے کہ کیسے مہیلاؤں کو ان کا ادھیکار ملے۔

श्री सभापति: देखिए, आज बहस हुई है। ...(व्यवधान)... मेरी सुन लीजिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जा रहा है।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Hon. Chairman, Sir, I fully support the views expressed by the hon. Members in this august House because they deserve 50 per cent reservation. Fifty per cent reservation they deserve. Let us be frank about it. That is number one. Number two, to resolve this issue... (*Interruptions*)... I am prepared to sacrifice. But you should also be prepared to sacrifice. (*Interruptions*)... Sir, my request to the hon. Prime Minister is that the hon. Prime Minister may call a meeting

†Transliteration in Urdu Script.

of the leaders of all national political parties and try to resolve this issue. That is the only solution which will pave the way for providing reservation for women. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Question Hour. Question No. 141. (*Interruptions*)...

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, please ask the Prime Minister to give a statement on all these things.

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, on the occasion of International Women's Day, I greet all the women of our country and reaffirm our Government's commitment to work steadfastly for the political, social and economic empowerment of our women.

As far as the issue of reservation in legislatures is concerned, this is a commitment which the UPA coalition has endorsed through its Common Minimum Programme. I have been working quite hard to build a broad-based consensus on this issue. Some months ago I had nearly succeded, but at the last minute some problems arose and, therefore, we could not bring that Bill in the last session of Parliament. I wish to assure you and, through you, Sir, to all the hon. Members that I remain committed and our Government remains committed to work towards a broad-based consensus and that we will bring forward a Bill to this effect as soon as possible. Thank you.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Meeting of Indo-Pak Foreign Ministers

*141. SHRIMATI SHOBHANA BHARTIA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether India and Pakistan's Foreign Ministers met in Islamabad on the 13th January, 2007 and also at New Delhi and discussed a number of issues and signed a number of agreements;

(b) if so, the issues that were discussed;

(c) the number of agreements that have been signed;